

WRAP Exams · wrapexams.com

Prelims PYQ, Mains model answers, and copy evaluation. Write to the desk for this paper, a doubt, or the AI waitlist.

ask@wrapexams.com · +91 85951 84903 · wrapexams.com

Telegram · Instagram

Marked copy**Discuss the major powers and functions of the President of India.**

UPSC Civil Services Mains · WRAP evaluation · 20 marks

[Open WRAP Exams](#)

11.5 / 20

MARKS	
CRITERION	MARKS
परिचय एवं संवैधानिक स्थिति अनुच्छेदों का अच्छा उल्लेख है, भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता था।	2.5 / 4
कार्यपालिका, विधायी एवं वितीय शक्तियाँ फ्लोचार्ट प्रभावी हैं, किंतु कुछ उप-बिंदुओं का विवरण संक्षिप्त रह गया है।	4 / 6
सैन्य, न्यायिक, कूटनीतिक एवं आपातकालीन शक्तियाँ विवरण ठीक हैं लेकिन आपातकाल और सैन्य शक्तियों में और गहराई अपेक्षित थी।	3 / 6
निष्कर्ष एवं विचारक दृष्टिकोण आर. वेंकटरमण के कथन का प्रयोग बहुत ही सुंदर है।	2 / 4

EXAMINER NOTE

एक सुव्यवस्थित उत्तर जिसमें वैचारिक स्पष्टता और अच्छी प्रस्तुति है। फ्लोचार्ट का उत्कृष्ट उपयोग तथा आर. वेंकटरमण के कथन का सटीक निष्कर्ष। कुछ स्थानों पर तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक विवरण में गहराई की कमी।

WRAP Exams · Write. Read. Analyse. Practice.

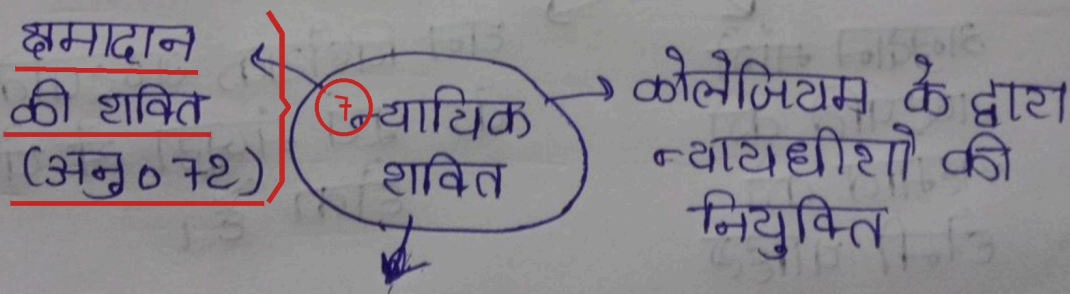
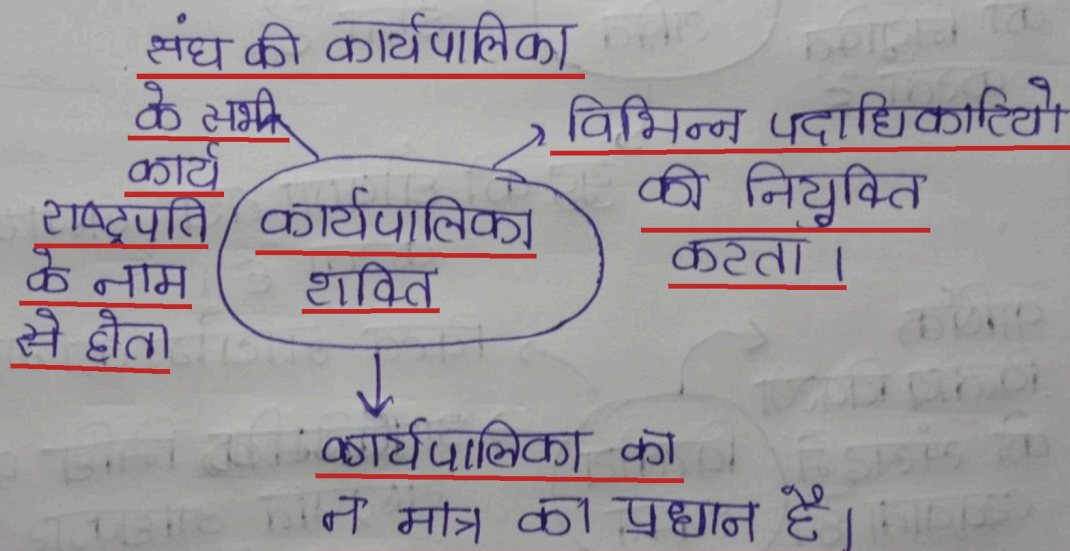
[Open on wrapexams.com](https://wrapexams.com)

ask@wrapexams.com · wrapexams.com · t.me/wrapexams · instagram.com/wrapexams

Q.25. भारत के राष्ट्रपति की प्रमुख शक्तियाँ एवं कार्यों की विवेचना कीजिए।

भारतीय संविधान में अनुच्छेद 52 से 78 तक संघ की कार्यपालिका का वर्णन है जिसका अध्यक्ष राष्ट्रपति हैं। संविधानिक प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति भारत का प्रथम नागरिक हैं। ये राष्ट्र की एकता, अखंडता व संप्रभुता का प्रतीक हैं। इसके साथ विधायी एवं न्यायिक शक्ति के साथ भारतीय लोकतंत्र में विशेष भूमिका रखता है।

राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य :- ⑤



1. संवैधानिक प्रावधानों और अनुच्छेदों का यह संदर्भ उत्तर की शुरुआत को एक ठोस अकादमिक आधार प्रदान करता है।

①

③

②

④

2. न्यायिक शक्तियों के विश्लेषण में न्यायिक समीक्षा और राष्ट्रपति के परामर्शदात्री अधिकारों (अनुच्छेद 143) का उल्लेख किया जाना चाहिए था।

3. राष्ट्रपति की गरिमा और संवैधानिक स्थिति को दर्शाने वाले इन शब्दों का चयन अत्यंत सटीक है।

4. परिचय भाग में राष्ट्रपति की स्थिति को स्पष्ट करते हुए संसदीय लोकतंत्र में उसकी समन्वयकारी भूमिका का जिक्र होना चाहिए था।

⑥

5. शीर्षक के अंतर्गत शक्तियों के वर्गीकरण को स्पष्ट करते हुए संघवाद और संसदीय प्रणाली के संदर्भ को भी जोड़ना चाहिए था।

6. कार्यपालिका शक्तियों को प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया यह फ्लोचार्ट दृश्य प्रस्तुति को बेहद आकर्षक बनाता है।

7. अनुच्छेद 72 के तहत क्षमादान की शक्तियों के प्रकारों जैसे परिहार, लघुकरण आदि का संक्षिप्त उल्लेख करना आवश्यक है।

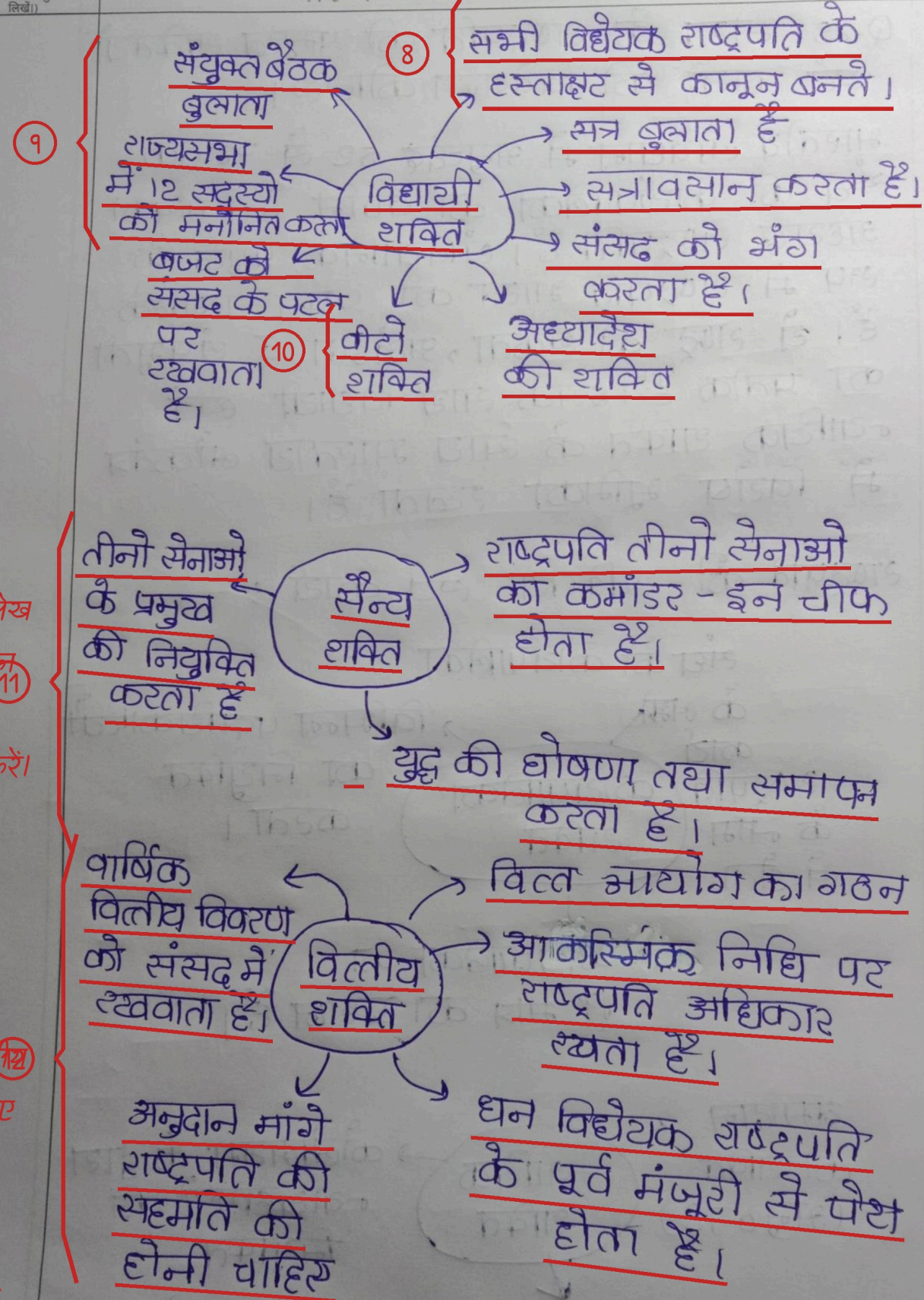
8. विधायी शक्तियों के अंतर्गत विधेयकों पर राष्ट्रपति की अनुमति और वीटो शक्ति के संवैधानिक महत्व को स्पष्ट करें। विधायी प्रक्रिया में राष्ट्रपति की संस्वीकृति के संवैधानिक महत्व को विस्तार दें। **Could also write:** संसद द्वारा पारित सभी विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के पश्चात ही अधिनियम का रूप लेते हैं।

9. विधायी शक्तियों के विभिन्न उप-बिंदुओं जैसे संयुक्त बैठक और मनोनयन को बहुत अच्छे से आरेखित किया गया है।

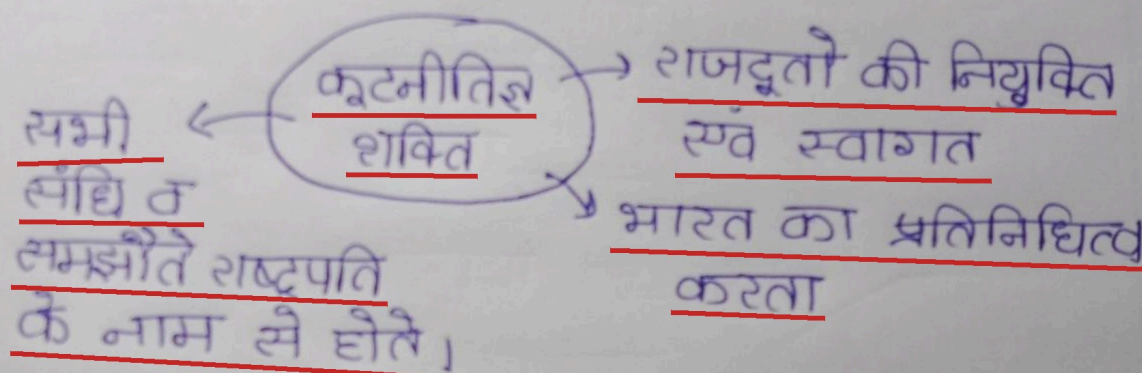
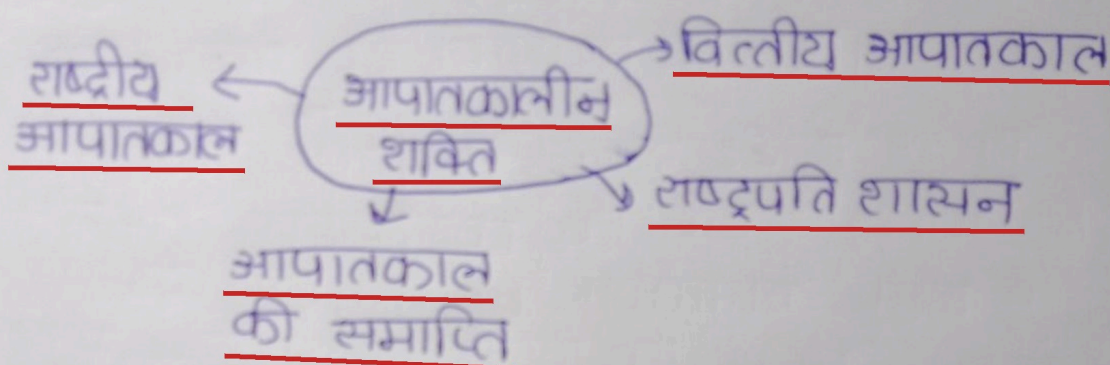
10. अध्यादेश निर्माण और वीटो शक्तियों का उल्लेख किया गया है, किंतु इनकी संवैधानिक सीमाओं का भी चिह्न होना चाहिए था। अध्यादेश निर्माण की शक्ति और न्यायिक निर्णयों के प्रभाव को स्पष्ट करें। **Could also write:** अनुच्छेद 123 के अंतर्गत अध्यादेश निर्माण की शक्ति और विभिन्न वीटो शक्तियों का विधायी नियंत्रण में विशेष स्थान है।

11. सैन्य शक्तियों का यह फ्लोचार्ट सही है, किंतु इसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) और राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के साथ समन्वय को भी जोड़ना चाहिए था।

12. वित्तीय शक्तियों के अंतर्गत धन विधेयक और आकस्मिक निधि के प्रावधानों को रेखांकित किया गया है, जो बहुत अच्छा है। **Could also write:** वित्त आयोग के गठन और उसकी संस्तुतियों का प्रभाव।



Candidate must adhere to the word limit specified in the question.
Any page or portion of the page left blank must be clearly struck off.



हालांकि राष्ट्रपति भारत का अनौपचारिक प्रमुख हैं। किंतु इसकी शक्तियां भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों में शक्ति के पृथक्करण को स्पष्ट करती हैं।
पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमण के अनुसार राष्ट्रपति की भूमिका आपात की रौशनी की तरह है जो बिजली जाने पर स्वतः जल जाती है।

13. आपातकालीन शक्तियों का वर्गीकरण स्पष्ट है, किंतु इसमें 44वें संविधान संशोधन द्वारा किए गए सुरक्षात्मक बदलावों का उल्लेख आवश्यक था। आपातकाल के प्रावधानों के साथ लोकतांत्रिक नियंत्रण के उपायों को भी जोड़ें। **Could also write:** संविधान के भाग 18 के अंतर्गत राष्ट्रपति को राष्ट्रीय, राज्य और वित्तीय आपातकाल घोषित करने की व्यापक शक्ति प्राप्त है।

14. कूटनीतिक शक्तियों का यह आरेख उचित है, किंतु इसमें अंतरराष्ट्रीय संधियों के अनुसमर्थन की प्रक्रिया को भी स्पष्ट करना चाहिए था। कूटनीतिक और संधि संबंधी प्रावधानों का संक्षिप्त विवरण दें। **Could also write:** अंतराष्ट्रीय संधियों और कूटनीतिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से राष्ट्रपति देश की विदेश नीति का औपचारिक संचालन करते हैं।

15. शक्ति के पृथक्करण और संवैधानिक मूल्यों के साथ राष्ट्रपति की भूमिका का यह मूल्यांकन वैचारिक परिपक्वता को दर्शाता है।

16. पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमण के इस प्रसिद्ध कथन का निष्कर्ष में सटीक प्रयोग उत्तर को एक उत्कृष्ट स्तर प्रदान करता है।